DAV NUPPL Public School
NUPPL Township, Ghatampur, Kanpur Nagar, UP-209206

Assignment: Half yearly **Class : IX**
Subject: Hindi **Session: 2024-25**

1. नीचे दिए गये अपठित गद्यांश को पढकर उत्तर दीजिये -

अपठित गद्यांश1

ईश्वर पर विश्वास बड़ी ही शानदार चीज है।अबोध बालक माँ की गोद में पहुंचकर या पिता की ऊँगली पकड़ लेने पर पूरी तरह से आश्वस्त हो जाता है।उसे अपने माता-पिता पर विश्वास है और यह विश्वास ही उसे भय मुक्त कर देता है।इसी प्रकार ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं।हमारा विश्वास मजबूत होता है कि हमारे साथ ईश्वर है और हम इस कार्य में सफल होंगे।आत्मविश्वास को दृढ़ बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया है।इसके साथ-साथ ईश्वर की कल्पना मनुष्य को भयभीत भी करती है।एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम ना कर सके, इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी, सर्वद्रष्टा बताया गया है।कण- कण में उसका निवास माना गया है।मनुष्य पर नियंत्रण रखने के लिए किसी न किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही।इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई है और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर पर्दा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई है।हम स्वयं अपने भाग्य विधाता हैं।जैसा कार्य करेंगे, वैसा फल पाएंगे। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें वह कितनी बार चढ़ती -गिरती है।अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर छोड़ ही नहीं पाती।निरंतर प्रयास करके ही वह सफल होती है।वह भाग्य पर निर्भर नहीं, कर्म करके दिखलाती है।इस कारण बराबर कार्य में लग रहें।सफलता हाथ आए या फिर असफलता, सफलता पर प्रसन्न होकर अपनी प्रगति धीमी ना करें।असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागे।अपना कार्य बराबर आगे बढ़ते रहें।जो उद्यम करते हैं, परिश्रमरत रहते हैं, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते हैं, वह अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

(क) अकर्मकता अपनी सफलता का कारण किसे मानती है?

(अ) ईश्वर को (ब) दुर्भाग्य को सौभाग्य को (स) सौभाग्य को (द) परिश्रम को

(ख) मनुष्य का भाग्य विधाता कौन है?

(अ) उसके अपने कर्म (ब) उसका अपना भाग्य (स) उसकी अपनी शिक्षा (द) उसका अपना ज्ञान

(ग) चींटी हमें क्या संदेश देती है

(अ) उठने के लिए गिरना आवश्यक है। (ब) सफलता बार-बार गिरने से मिलती है।

(स) सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है। (द) गिरने के लिए उतना उठना आवश्यक है।

(घ) गद्यांश में समर्थन किया गया है-

(अ) धर्मवाद का (ब) ईश्वरवाद का (स) भाग्यवाद का (द) कर्मवाद का

(ङ) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (): ईश्वर की संकल्पना हमें पुण्य करने का महत्व समझाने के लिए की गई है।

कारण (): ईश्वर की संकल्पना हमें भाग्य में विश्वास करना सीखाने के लिए की गई है।

(अ) कथन तथा कारण और दोनों गलत है।

(ब) कथन गलत है तथा कारण सही है।

(स) कथन सही है,लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।

(द) कथन तथा कारण दोनों सही है तथा कारण और कथन की सही व्याख्या करता है

(च) गद्यांश में किस प्रकार ईश्वर को शानदार माना गया है ?

(छ) आत्मविश्वास बढ़ने में किस प्रकार इश्वर का अस्तित्व माना गया है?

अपठित गद्यांश 2

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

अकबर इलाहाबादी

पिछले लंबे समय से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर हम देख चुके हैं कि शुरुआती दौर में रूस को सबसे बड़ी दिक्कत इंटरनेट के पक्ष से आई क्योंकि यह कथित आभासी शक्ति ही रूस के खिलाफ वास्तविक चुनौती बन चुकी थी। लेकिन आज भी साहित्य का खेमा तोप के मुकाबिल अखबार को खड़ा करने की रूमानियत से दूर नहीं हुआ है। जिन अंग्रेजी घरानों ने हिंदी अखबार की शुरुआत की वे अपने अंग्रेजी अखबार में साहित्य को आगे बढ़ाने के दबाव से मुक्त रहे। उनके लिए व्यवसाय का व्याकरण ही अहम रहा। हिंदी पत्रकारिता और साहित्य का संबंध मंचीय बहसों का पसंदीदा विषय रहा है।

छापेखाने के आविष्कार ने अखबार को जन्म दिया तो टेलीविजन ने पहली बार खबरों को दृश्यात्मकता में लाकर अपनी बढ़त बनाई। उसके बाद आए इंटरनेट ने अखबार से 'आश्चर्यचकित' करने वाला तत्त्व ही छीन लिया। महात्मा गांधी से लेकर, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या की खबरें आज के दौर में अखबारों के हिस्से में दूसरी तरह से आती। इंटरनेट जिस तरह से सूक्ष्मतम क्षणों में लोगों तक खबरें पहुंचा देता है तो अखबारों के हिस्से अब विचार ही रह जाता है जिसके जरिए वह अपने बने रहने और डटे रहने का दावा करता है।

हिंदी पट्टी में पत्रकारिता का विमर्श शुरू होते ही साहित्य -सहोदर की तरह मौजूद हो जाता है। कालक्रमानुसार तो साहित्य को पत्रकारिता की मातृ-संस्था ही कहा जा सकता है। लेकिन, हिंदी में साहित्य व पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन पत्रकार व साहित्यकार दोनों के लिए पसंदीदा रहा है। दोनों एक-दूसरे को खारिज करने की हद तक पसंद करते हैं। हर राजनीतिक संक्रमणकाल में हिंदी पट्टी में पत्रकारिता बनाम साहित्य की बहस जरूर छिड़ती है क्योंकि दोनों संस्थाओं को बदलाव के स्तंभ के रूप में देखा जाता रहा है। इस संक्रमणकाल में एक बार हम भी पत्रकारिता और साहित्य के संबंधों पर बात कर इसे नए समय के संदर्भ में समझने की कोशिश करते हैं।

मैथ्यू आर्नल्ड पत्रकारिता को जल्दी में लिखा साहित्य बताते हैं। साहित्य के साथ तुलना करने का अर्थ यह है कि जो लिखा जा रहा है, बोला जा रहा है या दिखाया जा रहा है उसका कोई शाश्वत मूल्य है। मूल्य तारीखों की तरह नहीं बदलते। भाव का भरोसा साहित्य है तो तथ्यों के भरोसे को पत्रकारिता कहा गया। औपनिवेशिक काल से ही एक प्रवृत्ति रही कि अखबारों के संपादक साहित्यकार या हिंदी के बड़े ज्ञाता रहे। इसलिए आज भी पत्रकारिता और साहित्य के बीच यह नातेदारी खोजने की कोशिश होती है।

(क) छापेखाने के आविष्कार ने किसका जन्म दिया?

(अ) टेलीविजन (ब) इंटरनेट (स) अखबार (द) रेडियो

(ख) इंटरनेट ने अखबार से कौन-सा तत्त्व छीन लिया?

(अ) विचार (ब) व्यवसाय

(स) 'आश्चर्यचकित' करने वाला तत्त्व (द) सामाजिक सुधार

(ग) हिंदी पट्टी में पत्रकारिता के विमर्श के साथ कौन सहोदर की तरह मौजूद हो जाता है?

(अ) राजनीति (ब) साहित्य (स) सामाजिक सुधार (द) विज्ञान

(घ) मैथ्यू आर्नल्ड के अनुसार पत्रकारिता क्या है?

(अ) तथ्यात्मक अध्ययन (ब) जल्दी में लिखा साहित्य

(स) राजनीतिक टिप्पणी (द) सामाजिक सुधार

(ङ) औपनिवेशिक काल में अखबारों के संपादक कौन होते थे?

(अ) वैज्ञानिक (ब) राजनीतिज्ञ

(स) साहित्यकार या हिंदी के बड़े ज्ञाता (द) व्यवसायी

(च) पत्रकारिता और साहित्य के बीच संबंध किस प्रकार देखा जाता है?

(अ) व्यावसायिक संबंध (ब) वैज्ञानिक संबंध

(स) नातेदारी खोजने की कोशिश (द) राजनीतिक संबंध

(छ) **कथन:** अखबारों के संपादक अक्सर साहित्यकार या हिंदी के बड़े ज्ञाता रहे।

कारण: औपनिवेशिक काल से ही एक प्रवृत्ति रही कि हिंदी पत्रकारिता में साहित्य का महत्वपूर्ण स्थान था।

विकल्प:

(अ) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(ब) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(स) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।

(द) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

(च) लेखक ने क्यों अखबार को महत्वपूर्ण माना है ?

(छ) मैथ्यू अर्नाल्ड ने किसका मूल्य न बदलने की बात की है?

2. पठित गद्यांश को पढकर उत्तर दीजिए –

तिब्बत की ज़मीन बहुत अधिक छोटे-बड़े जागीरदारों में बँटी है। इन जागीरों का बहुत बड़ा हिस्सा मठों (विहारों) के हाथ में है। अपनी-अपनी जागीर में हरेक जागीरदार कुछ खेती खुद भी कराता है, जिसके लिए मज़दूर बेगार में मिल जाते हैं। खेती का इंतज़ाम देखने के लिए वहाँ कोई भिक्षु भेजा जाता है, जो जागीर के आदमियों के लिए राजा से कम नहीं होता। शेकर की खेती के मुखिया (नम्से) बड़े भद्र पुरुष थे। वह बहुत प्रेम से मिले हालांकि उस वक्त भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था। यहाँ एक अच्छा मंदिर था; जिस में कंजुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की हस्तलिखित 103 पोथियाँ रखी हुई थीं। मेरा आसन भी वहीं लगा। वह बड़े मोटे कागज़ पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं। एक-एक पोथी 15-15 सेर से कम नहीं रही होगी।

(क) तिब्बत की ज़मीन का बहुत बड़ा हिस्सा किसके हाथ में है?

(अ) किसानों (ब) मठों (विहारों) (स) व्यापारी (द) सरकारी अफसर

(ख) खेती का इंतज़ाम देखने के लिए किसे भेजा जाता है?

(अ) जागीरदार (ब) मठ का भिक्षु (स) राजा (द) किसान

(ग) शेकर की खेती के मुखिया का नाम क्या था?

(अ)भिक्षु (ब) जागीरदार (स) नम्से (द) कंजुर

(घ) कंजुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की हस्तलिखित पोथियों की संख्या कितनी थी?

(अ) 50 (ब)75 (स)103 (द)150

(ङ)कंजुर की पोथियाँ किस प्रकार के कागज़ पर लिखी हुई थीं?

(अ) पतले कागज़ (ब) मोटे कागज़ (स) पार्चमेंट (द) ताड़पत्र

3. निम्नलिखित पठित काव्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहुँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं ॥
रसखान कबौ इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं ॥

(क) कवि किस चीज़ को त्यागने की बात कर रहा है?

(अ) धन (ब) सत्ता (स) सुख (द) परिवार

(ख) कवि किसके गाय चराने की इच्छा प्रकट कर रहा है?

(अ) राम (ब) कृष्ण (स) शिव (द) विष्णु

(ग) कवि किसके सुख का त्याग करने की बात कर रहा है?

(अ) आठों सिद्धियों (ब) नौ निधियों

(स) दोनों (आठों सिद्धियाँ और नौ निधियाँ) (द) इनमें से कोई नहीं

(घ) कवि की आँखों से कौन से स्थान देखने की इच्छा प्रकट की गई है?

(अ) ताजमहल (ब) हिमालय (स) ब्रज के वन, बाग और तालाब (द) गंगा

(ङ) कवि किसके धाम का वर्णन कर रहा है?

(अ) सोने का (ब) चाँदी का (ग) कलधौत का (घ) मोती का

<u>व्याकरण</u>

1.'त्रिफलाचूर्ण' एवं 'पंचानन' का समास विग्रह एवं समास क्या होगा?

2.'प्रतिरोधक' में उपसर्ग बताइये

3. 'वि' उपसर्ग से दो नए शब्द बनाइये ।

3. अलंकार पहचानकर स्पष्ट कीजिये –

(क) कल–कल कोमल कुसुम कुञ्ज पर मधु बरसाने वाला कौन?

(ख) मुख – बाल –रवि सम लाल होकर ज्वाल बोधित हुआ

4. आजन्म शब्द में उपसर्ग बताइए ।

5. ईय' प्रत्यय से बने दो शब्द लिखिए ।

6. नी' प्रत्यय से बने दो शब्द लिखिए ।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए -

(क) 'अपमान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूलशब्द है-

(अ) अप + मान (ब) अपमा+न (स) अ+पमान (द) अप +मन

(ख) 'आजीवन' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूलशब्द है-

(अ) आ + जीवन (ब)आजी +वन (स)आजीव +न (द)अ+जीवन

(ग) 'अभिप्राय' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूलशब्द है-

(अ) अभि + प्राय (ब) अभी + प्राय (स) अभिप्रा+य (द) अभि+प्रय

8. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए -

(क) 'अनुकरणीय' शब्द में प्रत्यय व मूलशब्द है-

(अ) अनुकरण +ईय (ब) अनुकरण + ईय

(स) अनुकरण +इनीय (द) अनुक + रणीय

(ख) 'मनुष्यता' शब्द में प्रत्यय व मूलशब्द है-

(अ) मनुष्य + आ (ब) मनुष्य+इया (स) मनुष्य +इता (द) मनुष्य +ता

9. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए -

(क) 'यथाशक्ति' का विग्रह कर समास का नाम बताइए:

(अ) यथा और शक्ति - द्विगु समास (ब) यथा और शक्ति - अव्ययीभाव समास

(स) यथा और शक्ति - तत्पुरुष समास (द) यथा और शक्ति - बहुव्रीहि समास

(ख) 'चौराहा' का विग्रह कर समास का नाम बताइए:

(अ) चार राहों का समाहार - द्विगु समास

(ब) चार राहों का समाहार - तत्पुरुष समास

(स) चार राहों का समाहार - कर्मधारय समास

(द) चार राहों का समाहार - अव्ययीभाव समास

10. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए –

(क) 'वह गायब हो गया।' विस्मयवाचक वाक्य में बदलने के लिए सही विकल्प चुनिए:

(अ) वह गायब हो गया था! (ब) वह कहाँ गायब हो गया?

(स) वह गायब हो गया! (द) अरे! वह गायब हो गया!

(ख) 'तुम्हारा जूता फटा है।' प्रश्नवाचक वाक्य में बदलने के लिए सही विकल्प चुनिए:

(अ) क्या तुम्हारा जूता फटा है? (ब) तुम्हारा जूता कहाँ फटा है?

(स) तुम्हारा जूता फट गया? (द) क्या तुम्हारा जूता नया है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए –

(क) 'तरनि-तनुजा-तट तमाल तरुवर बहु छाए' में अलंकार है:

(अ) अनुप्रास (ब) उपमा

(स') रूपक (द) यमक

12. 'दीपक-सा जलना होगा' में अलंकार है:

(अ) रूपक (ब) उपमा

(स) अनुप्रास (द) यमक

पाठ 2. ल्हासा की ओर (क्षितिज)

1. निम्नलिखित क्षितिज गद्य खंड आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिए :

(一) अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

(二) तिब्बत में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा की स्थिति कैसी थी?

(三) डाँकुओं के लिए तिब्बत में सबसे सुरक्षित स्थान कौन सा था जहाँ उन्हें पकडे जाने का डर नहीं था?

(四) तिब्बत में डाँड़े के देवता का स्थान कहाँ था?उसे कैसे सजाया गया था?

2. पठित क्षितिज गद्य खंड आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) शेकर विहार में 'कंजुर' की कितनी हस्तलिखित पोथियाँ थीं ?

(अ) 105 (ख) 103 (ग) 101 (घ) 110

(ख) लेखक जाते समय कहाँ रास्ता भटक गया ?

(अ) लंकोर (ब) श्रीलंका (स) भारत (घ) नेपाल

(ग) लेखक के मित्र का क्या नाम था ?

(अ) भिक्षु नम्से (ब) सुमति (स) राहुल (द) सुमित

(घ) थुक्पा क्या है?

(अ) तीर्थ स्थल का नाम (ख) मंगोलों की एक जाति

(स) एक खाद्य पदार्थ (द) एक पारंपरिक वस्त्र

पाठ 3. उपभोक्तावाद की संस्कृति (क्षितिज)

1. निम्नलिखित क्षितिज गद्य खंड आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिए -

(一) आज उपभोक्तावाद की संस्कृति से किसे खतरा है ?

(二) कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या न हो, लेकिन टीवी पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं,क्यों?

(三) सुख की पहली और आज की परिभाषा क्या है?

(四) सौन्दर्य प्रसाधनों की भीड़ चमत्कृत करने वाली होती है,ऐसा क्यों?उपभोक्तावाद की संस्कृति के आधार पर बताइए।

2. पठित क्षितिज गद्य खंड आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क)'उपभोक्तावाद की संस्कृति' पाठ के लेखक कौन हैं?

(अ) राहुल सांकृत्यान (ब) प्रेमचन्द (स) श्यामाचरण दुबे (द) ज़ाबिर हुसैन

(ख) लेखक के अनुसार सुख किसके भोग से मिलता है?

(अ) उपभोग (ख) मीठा (ग) नमकीन (घ) विश्राम

(ग) इनमें से कौन-सी पुस्तक श्यामाचरण दुबे द्वारा रचित नहीं है?

(अ) हिन्दी साहित्य का इतिहास (ब) मानव और संस्कृति

(स) समय और संस्कृति (द) संस्कृति तथा शिक्षा

(घ) श्यामाचरण दूबे ने किस विषय में पीएचडी की थी?

(क) राजनीतिक विज्ञान (ख) समाज विज्ञान

(ग) रसायन विज्ञान (घ) मानव विज्ञान

पाठ 10. ललद्यद (क्षितिज)

1. निम्नलिखित क्षितिज काव्य खंड आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 25- 30 शब्दों में दीजिए-

(一) न खाकर बनेगा अहंकारी, कहकर किस तथ्य की ओर संकेत किया है?

(二) कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किये जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

(三) बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

(四) 'खा - खाकर कुछ पायेगा नहीं' से क्या अभिप्राय है?

2. पठित क्षितिज काव्य खंड आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) ईश्वर को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?

(अ) कठिन तपस्या के द्वारा (ब) हठयोग साधना के द्वारा

(स) आत्मज्ञानी बनकर (द) पूजा, व्रतऔर हवन

(ख) ललद्यद की काव्य शैली को क्या कहा जाता है?

(अ) पद (ख) दोहे (ग) वाख (घ) सवैये

(ग) कच्चे धागे किसका प्रतीक है?

(अ) कमजोर धागों का (ख) मनुष्य के कर्मों का

(ग) कच्ची डोर का (घ) कमजोर और नाशवान सहारे का

(घ) कवयित्री के अनुसार 'साहिब' कौन है?

(अ) परमात्मा (ब) मालिक

(स) राजा (द) इनमें से कोई नहीं

पाठ 11. सवैये (क्षितिज)

1. निम्नलिखित क्षितिज काव्य खंड आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 25- 30 शब्दों में दीजिए-

(一) ब्रज के वन, बाग़, तडाग की चर्चा में ब्रज की क्या विशेषता झलकती है?

(二) कृष्ण लाठी और कम्बल कब धारण करते थे?

(三) रसखान करील के कुंजों पर क्या न्योछावर करने को तत्पर हैं?

(四) नायिका अपने होठों पर मुरली क्यों नहीं धारण करना चाहती है?

2. पठित क्षितिज काव्य खंड आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) 'मोरपखा' से क्या अभिप्राय है?

(अ) मोर ने पंख पहने हैं। (ब) श्रीकृष्ण के सिर पर सजा मोर के पंखों का मुकुट

(स) मोर की चोंच (द) अ और स दोनों विकल्प सही है।

(ख) रसखान लकुटी और कामरिया पर क्या न्योछावर करना चाहते हैं ?

(अ) अपनी सम्पूर्ण संपत्ति (ब) अपनी जन्मस्थली

(स) तीनों लोकों का राज्य (द) अपना तन – मन

(ग) पुरंदर कौन था?

(अ) यमराज (ब) इंद्र (स) कुबेर (द) वरुण

(घ) गोपी से क्या नहीं सँभाली जाती?

(अ) अपने मन की व्याकुलता (ब) अपनी पीड़ा

(स) कृष्ण की दी हुई भेंट (द) कृष्ण के मुख की मुस्कान

<u>पाठ 1</u>. इस जल प्रलय में'

1. कृतिका आधारित प्रश्नों के उत्तर 50- 60 शब्दों में पूरा कीजिए-

(一) प्राकृतिक आपदा से आप क्या समझते हैं? किन्हीं दो आपदाओं के नाम लिखकर उनसे बचने के उपाय लिखिए।

(二) बाढ़ को मृत्यु का तरल दूत क्यों कहा गया है?

(三) बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सहायता में क्या-क्या सामग्री एवं किस तरह के लोगों को शामिल किया जाना चाहिए ?एक स्वयं सेवक के रूप में आपकी क्या भूमिका होगी?

(四) 'ईह दानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उलटकर देखने भी नहीं गए, अब बूझो।'पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए तथा बताइए इस टिप्पणी में मानवीय स्वभाव के किस पक्ष पर चोट की गई है?

पाठ 2. मेरे संग की औरतें (कृतिका)

1. कृतिका आधारित प्रश्नों के उत्तर 50- 60 शब्दों में पूरा कीजिए-

(一) लेखिका को अपनी माँ और अन्य परम्परागत माताओं में क्या अंतर नजर आया?

(二) लेखिका की नानी आजादी के आंदोलन में किस प्रकार भागीदार रहीं?

(三) मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका ने अपनी नानी और माँ का जो चित्र खींचा है, उसका वर्णन कीजिये?

(四) 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका ने अपनी और माँ का जो चित्र खींचा है, उसका वर्णन कीजिए।

रचनात्मक लेखन

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को 80 शब्दों -100 शब्दों में लिखिए -

(क) दूरदर्शन (ख) अन्तरिक्ष में नारी

(ग) विज्ञापनों की न्यारी दुनिया (घ) सत्संगति

(ङ) अहिंसा का पक्षधर : भारत (च) युवावर्ग और फैशन

2. दिए गये औपचारिक या अनौपचारिक पत्र को 100 शब्दों में लिखिए-

(一) वन विभाग द्वारा लगाये गये वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए

(二) 'शुल्क मुक्ति' के लिए अपनी प्रधानाचार्या जी को एक पत्र लिखिए

3. दिए गये शीर्षक के आधार पर 80 शब्दों में संवाद लिखिए –

(一) इंटरनेट के उपयोग को लेकर दो छात्रों के मध्य संवाद लिखिए

(二) नोटबंदी से प्रभावित दो ग्रामीणों का संवाद लिखिए

4. दिए गये विषय पर 80 शब्दों में लघुकथा लिखिए-

(一) मन के हारे हार है मन के जीते जीत

(二) नेकी का फल